SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

# कक्षा - 10

# भारत और समकालीन विश्व - 2

## अध्याय - 2

# भारत में राष्ट्रवाद

## भाग - 7

Pritesh Joshi

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

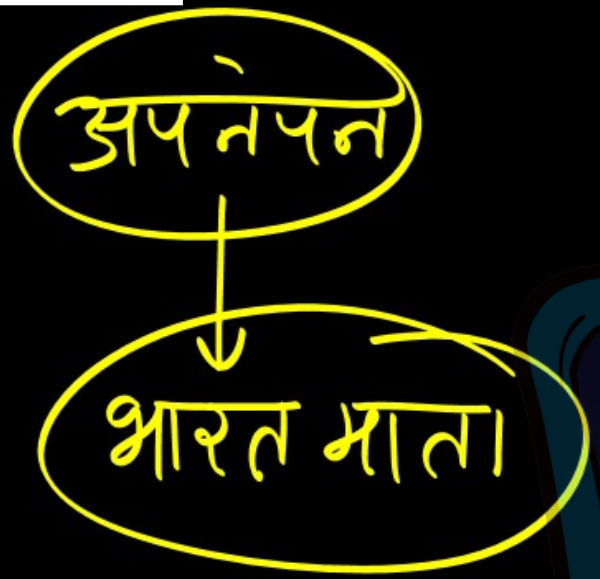


## राष्ट्रवाद तथा लोक-कथाएँ :-

- राष्ट्रवाद का विचार भारतीय लोक कथाओं को पुनः जीवित करने से भी मजबूत हुआ।
- 19वीं सदी के आखिर में भाटों व चारणों द्वारा सुनाई जाने वाली लोककथाओं को राष्ट्रवादियों ने इकट्ठा करना शुरू कर दिया।
- वे लोकगीतों को भी इकट्ठा करने के लिए गाँव-गाँव घूमने लगे।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- उनका मानना था कि यही कहानियाँ हमारी उस संस्कृति की सही तस्वीर पेश करती है जो बाहरी ताकतों के प्रभाव से दूषित हो चुकी है।
- अपने अतीत पर गौरव करने के लिए इन लोक परंपराओं को जीवित रखना जरूरी था।
- बंगाल में खुद रविन्द्र नाथ टैगोर लोकगीत बालगीत और मिथकों को इकट्ठा करने निकल पड़े।

- उन्होंने लोक-परम्पराओं को पुनर्जीवित करने वाले आंदोलन का नेतृत्व किया।
- मद्रास में नटेसा-शास्त्री ने 'द फोकलोर्स ऑफ सदर्न इंडिया' के नाम से तमिल लोक कथाओं का विशाल संकलन 4 खंडों में प्रकाशित किया।
- उनका मानना था कि लोक कथाएँ राष्ट्रीय साहित्य होती हैं, यह लोगों के असली विचारों और विशिष्टताओं की सबसे विश्वसनीय अभिव्यक्ति है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

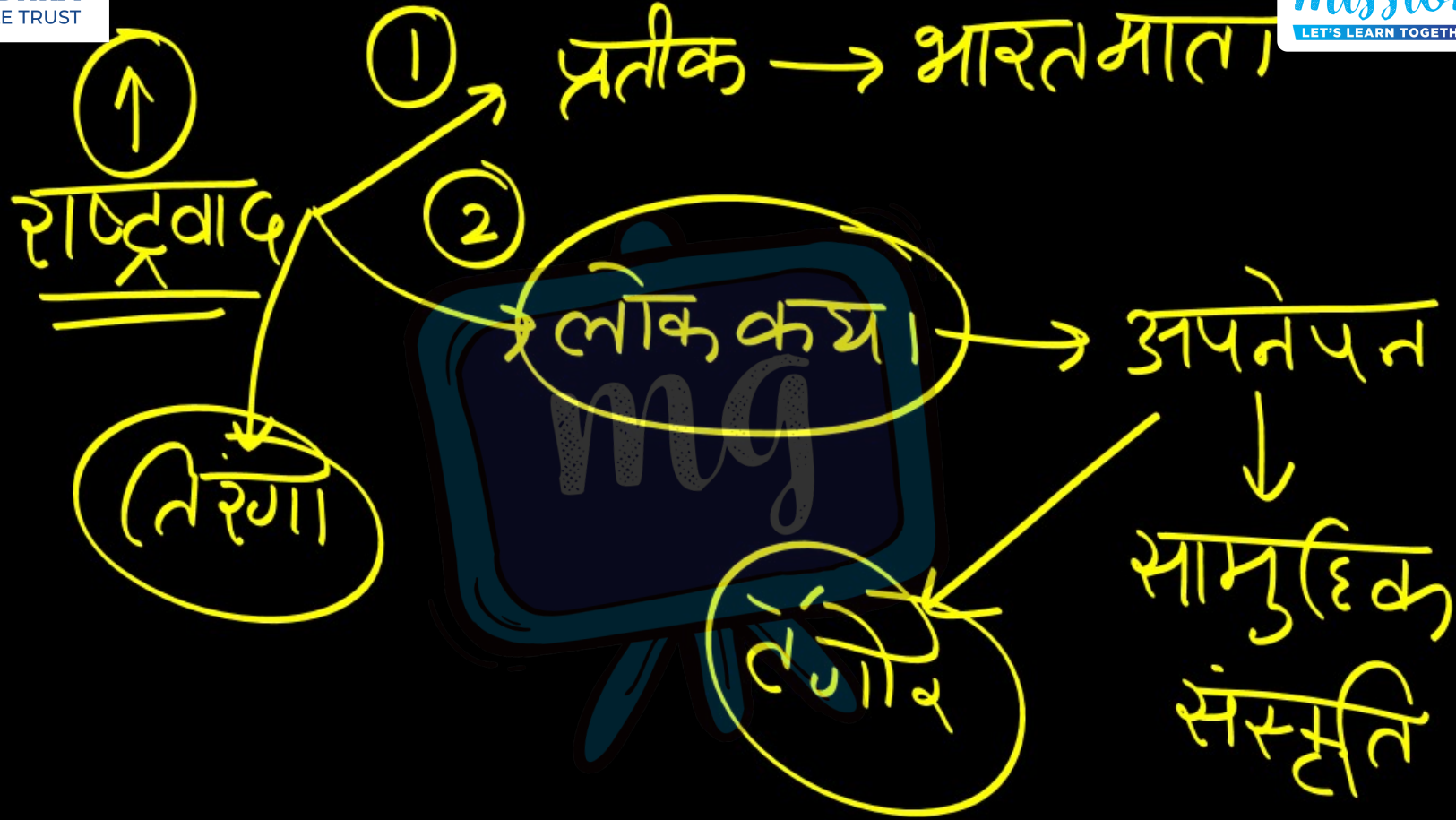

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3

## राष्ट्रवाद तथा झंडा :-

- जैसे-जैसे राष्ट्रीय आन्दोलन आगे बढ़ा, राष्ट्रवादी नेता लोगों में राष्ट्रवाद की भावना भरकर एकजुट करने के लिए विभिन्न चिन्हों और प्रतीकों का उपयोग करने लगे।
- बंगाल में स्वदेशी आंदोलन के दौरान एक तिरंगा झंडा (हरा, पीला, लाल) तैयार किया गया।

- इसमें ब्रिटिश भारत के 8 प्रांतों को दर्शाते हुए 8 कमल के फूल और हिन्दुओं व मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करते हुए एक अर्द्धचन्द्र दर्शाया गया था।
- 1921 तक गाँधीजी ने भी स्वराज का झंडा तैयार कर लिया था यह भी तिरंगा था। (हरा, सफेद, लाल)
- इसके मध्य में गाँधीवादी प्रतीक चरखे को जगह दी गई थी जो स्वावलम्बन का प्रतीक था।

- जुलुसों में यह झंडा थामे चलना शासन के प्रति अवज्ञा का प्रतीक था।

## राष्ट्रवाद तथा इतिहास :-

- राष्ट्रवाद की भावना पैदा करने का एक और साधन इतिहास की पुनर्व्याख्या थी।
- 19वीं सदी के अंत तक भारतीय यह महसूस करने लगे थे कि राष्ट्र के प्रति गर्व का भाव जागृत करने के लिए भारतीय इतिहास को अलग ढंग से पढ़ाया जाना चाहिए।

Q. इतिहास, साहित्य, लोक कथाएँ, गीत, चित्र व प्रतीक सभी ने राष्ट्रवाद को साकार करने मे अपना योगदान दिया था?

① चित्र
② लोककथा
③ प्रतीक
④ भारत माता

- अंग्रेजों की नजर में भारतीय पिछड़े हुए और आदिम लोग थे जो अपना शासन खुद नहीं सँभाल सकते।
- भारतीयों ने गौरवमयी प्राचीन युग के बारे में लिखना शुरू कर दिया जब –

कला और वास्तुशिल्प, विज्ञान और गणित, धर्म और संस्कृति, कानून और दर्शन, हस्तकला और व्यापार फल फूल रहे थे।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- उनका कहना था कि भारत के महान युग के बाद पतन का समय आया और भारत को गुलाम बना लिया गया।
- इस राष्ट्रवादी इतिहास के द्वारा ब्रिटिश शासन में दुर्दशा से मुक्ति के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया जाता था।
- लेकिन जिस अतीत का गौरवगान किया जा रहा था वह हिंदुओं का अतीत था। जिन छवियों का सहारा लिया जा रहा था वे हिंदु प्रतीक थे।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. सविनय अवज्ञा आंदोलन की समस्याओं को उल्लेखित करें? (2019, 2013)

Q. असहयोग आंदोलन इलाकों में किस प्रकार लिया गया? (2016)

Q. बेगार का अर्थ स्पष्ट करें (2017)

Q. नमक को सत्याग्रह के प्रतीक के तौर पर क्यों चुना गया?

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## निष्कर्ष

- अंग्रेजों के खिलाफ बढ़ता गुस्सा विभिन्न भारतीय समूहों और वर्गों को स्वतंत्रता के संघर्ष में खींच रहा था।
- महात्मा गाँधीजी व कांग्रेस ने अनेक लोगों की परेशानियों को इस आंदोलन में समाहित करने का प्रयास किया।
- जैसा कि हमने देखा इस आंदोलनों में भाग लेने वाले विभिन्न समूहों की अपनी अलग-अलग आकांक्षाऐं एवं अपेक्षाऐं थीं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- यद्यपि कांग्रेस ने यह भी प्रयास किया कि एक समूह की माँगों के कारण दूसरा समूह दूर न चला जाये।
- इसी कारण आंदोलन के भीतर अक्सर बिखराव आ जाता था।
- फिर भी जो राष्ट्र उभर रहा था वह अंग्रेजी शासन से मुक्ति की चाह रखने वाली बहुत सारी आवाजों का पुंज था।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

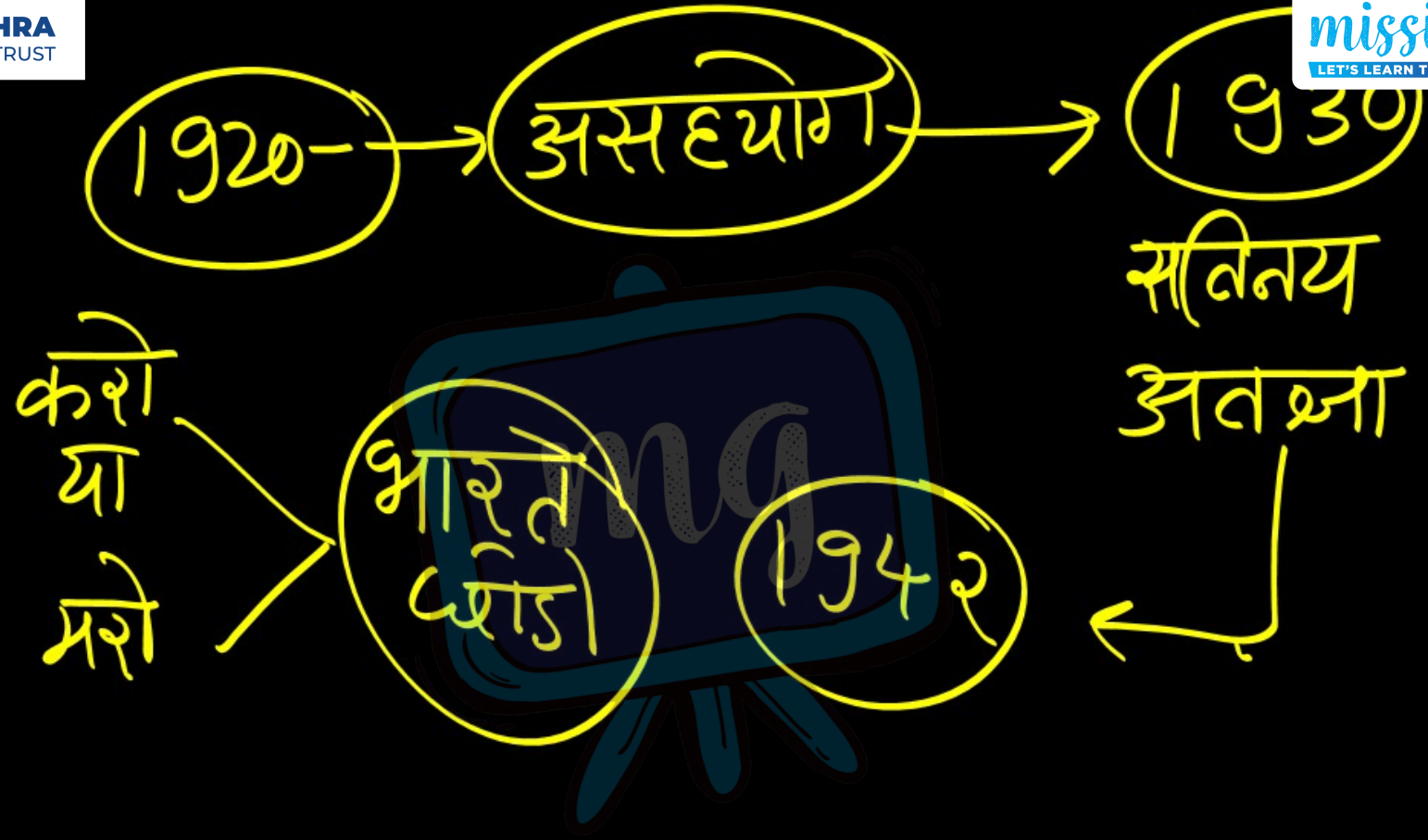

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

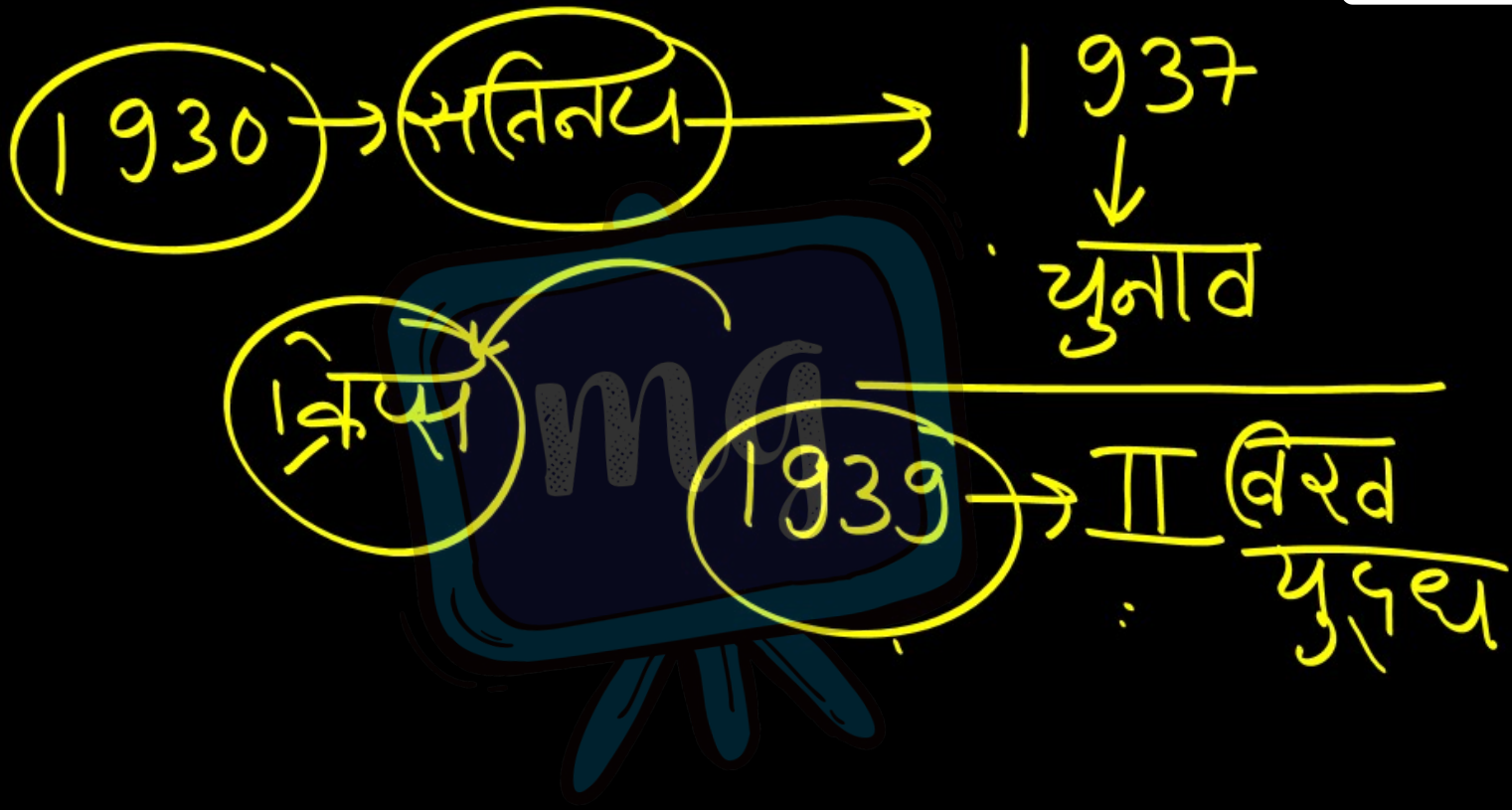

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

# भारत छोड़ो आंदोलन



- क्रिप्स मिशन की असफलता एवं द्वितीय विश्व युद्ध के प्रभावों से भारत में व्यापक असंतोष फैल गया।
- फलस्वरूप गाँधीजी ने एक आंदोलन शुरू किया। जिसमें उन्होंने अंग्रेजों को पूरी तरह से भारत छोड़ने पर जोर दिया।
- 14 जुलाई 1942 को वर्धा में कांग्रेस कार्य समिति ने 'भारत छोड़ो' का प्रस्ताव पारित कर दिया।



- इसमें सत्ता का भारतीयों को हस्तांतरण एवं भारत छोड़ने की माँग की गई।
- 8 अगस्त 1942 को कांग्रेस के बंबई अधिवेशन में पूरे देश में व्यापक रूप से अहिंसक जन संघर्ष का आह्वान किया गया।
- इसी अवसर पर गाँधीजी ने 'करो या मरो' का प्रसिद्ध भाषण दिया था।
- 'भारत छोड़ो' के इस आह्वान से देश में राज्य व्यवस्था को ठप कर लोग स्वत: ही आंदोलन में कूद पड़े।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- लोगों ने हड़तालें की; राष्ट्रीय गीतों व नारों के साथ प्रदर्शन किये एवं जुलूस निकाले।
- यह वास्तव में एक व्यापक-जन आंदोलन था जिसमें छात्र, मजदूर, किसान एवं हजारों साधारण लोगों ने हिस्सा लिया।
- इसमें नेताओं की सक्रिय भागीदारी भी देखी गई।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- जयप्रकाश नारायण, राम मनोहर लोहिया के साथ-साथ अनेक महिलाओं अरूणा आसफ अली, बंगाल से मातांगिनी हाजरा, असम से कनकलता बरूआ व उड़ीसा से रमा देवी ने भाग लिया।
- अंग्रेजों द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग के बावजूद इसे दबाने में एक वर्ष से अधिक समय लग गया।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

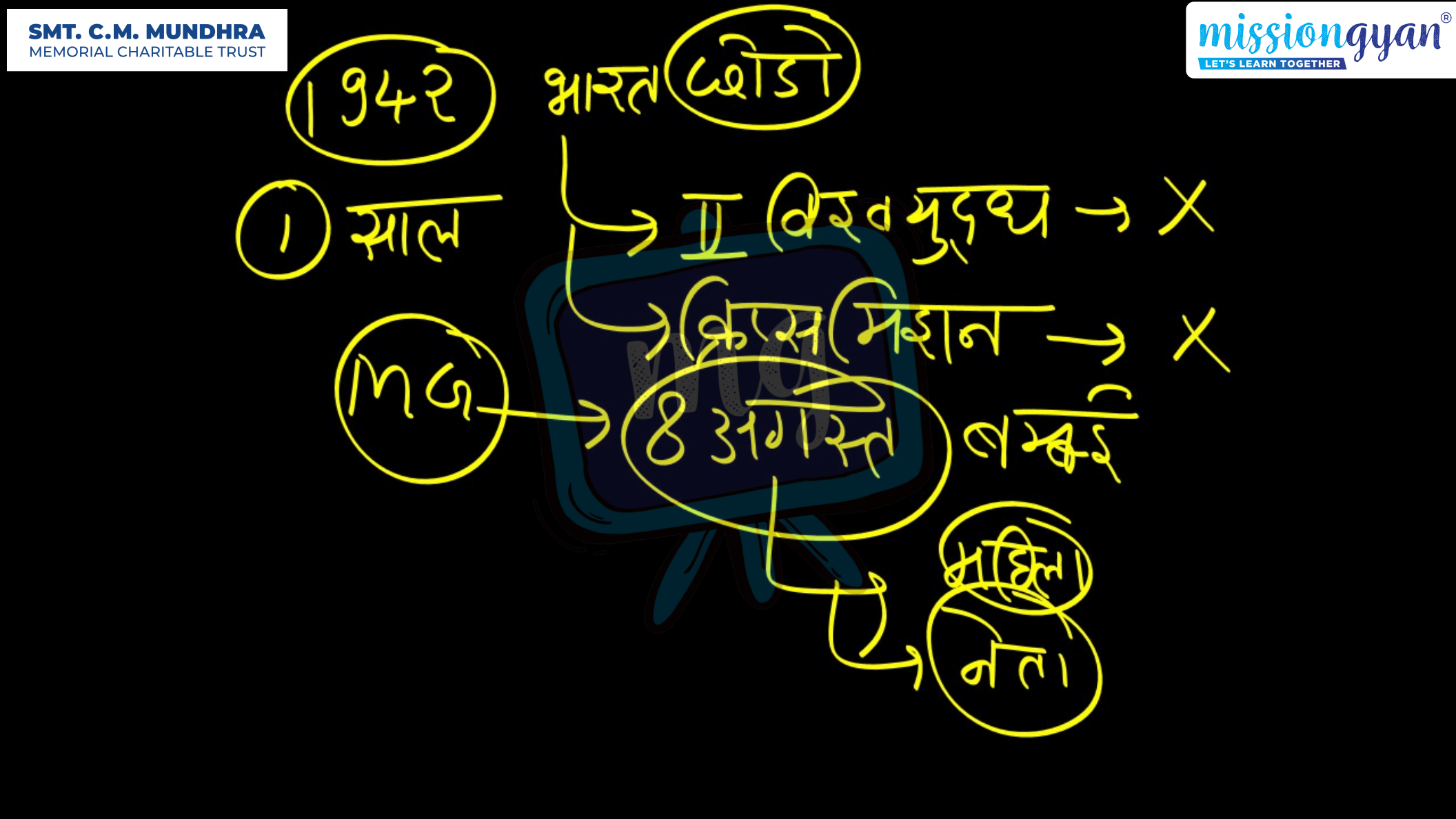

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

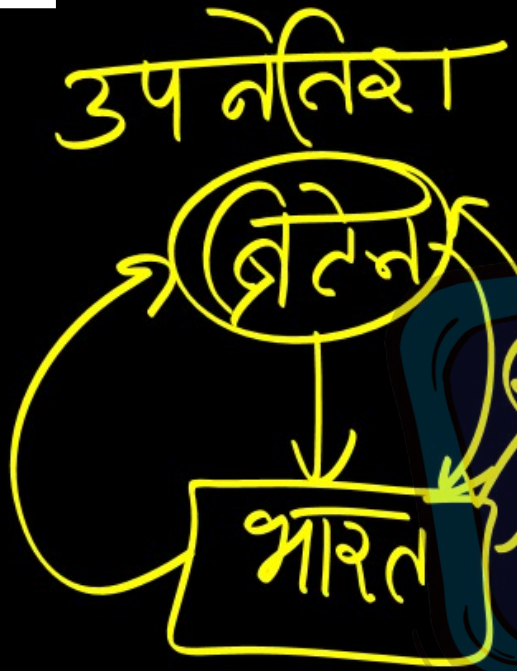


1. व्याख्या करें –

(क) उपनिवेशों में राष्ट्रवाद के उदय की प्रक्रिया उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन से जुड़ी क्यों थीं।

उत्तर :

(क) उपनिवेशों (जैसे भारत) में राष्ट्रवाद के उदय की प्रक्रिया उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन से जुड़ी हुई थीं।

औपनिवेशिक शासकों के विरूद्ध संघर्ष के दौरान लोग आपसी एकता को समझने लगे थे।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- उत्पीड़न एवं दमन के शिकार रहे लोगों ने मिल-जुल कर मुकाबला किया था जिससे वे एकता के सूत्र में बँध गये थे।
- उनको लग गया था कि औपनिवेशिक शासन को समाप्त किये बिना उनके कष्टों का अंत नहीं होगा।
- इस विचार ने भी राष्ट्रवाद की भावना का उदय किया।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(ख) पहले विश्व युद्ध ने भारत में राष्ट्रीय आंदोलन के विकास में किस प्रकार योगदान दिया ?

उत्तर :- भारत में राष्ट्रीय आंदोलन के विकास में प्रथम विश्व युद्ध का बहुत योगदान रहा –

(i) करों में वृद्धि :-

- प्रथम विश्व युद्ध के कारण रक्षा–व्यय में अत्यधिक वृद्धि की गई थी।
- इस खर्चे की भरपाई के लिए करों में वृद्धि कर दी गई।
- सीमा–शुल्क बढ़ा दिया गया तथा आयकर शुरू कर दिया गया।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

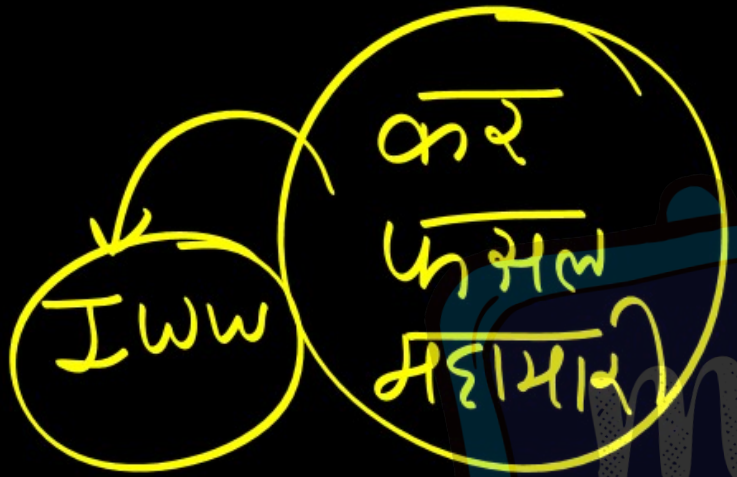


(ii) मूल्यों में वृद्धि :-

- युद्ध के दौरान 1913–1918 के बीच कीमतें बढ़ कर दोगुना हो चुकी थीं। जिससे आम लोगों की मुश्किलें बढ़ रही थीं।

(iv) सिपाहियों की जबरन भर्ती :-

- गाँवों में सिपाहियों को जबरन भर्ती किया गया जिससे ग्रामीण इलाकों में व्यापक गुस्सा था।

(v) दुर्भिक्ष तथा महामारी का प्रकोप :-

- 1918–19 तथा 1920–21 में देश के बहुत सारे हिस्सों में फसल खराब हो गई जिसके कारण खाद्य पदार्थों का भारी अभाव हो गया।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- उसी समय फ्लू की महामारी फैल गयी।
- 1921 की जनगणना के अनुसार दुर्भिक्ष तथा महामारी से 120–130 लाख लोग मारे गये।

(v) लोगों की उम्मीद पूरी न होना :-

- लोगों को उम्मीद थी कि युद्ध खत्म होने के बाद उनकी मुसीबतें कम हो जायेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।
- इस कारण से भारतीयों में घोर असंतोष व्याप्त हो गया तथा इससे राष्ट्रवाद में विकास हुआ।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

प्रथम विश्वयुद्ध → कारण? प्रा० रा० आ०

I WW → आर्थिक ↓
→ कर ↑

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

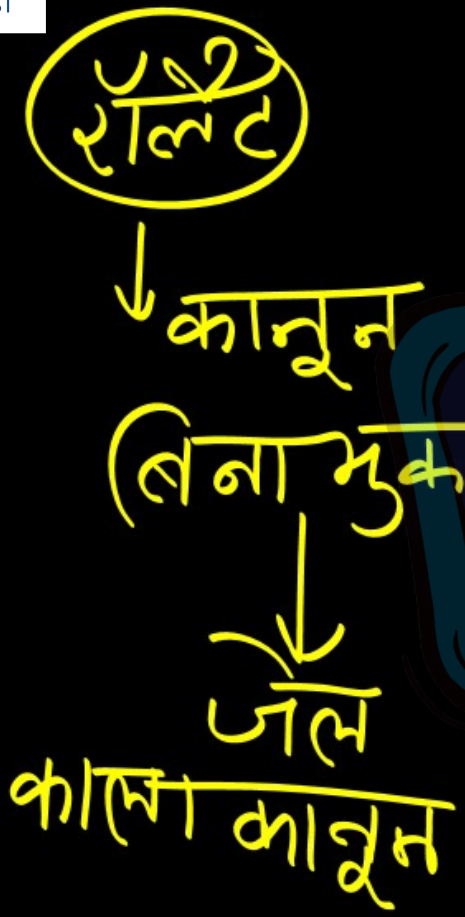


(ग) भारत में लोग रॉलट-एक्ट के विरोध में क्यों थे?

उत्तर :- मार्च 1919 में रॉलेट- एक्ट भारत में राष्ट्रीय आंदोलनों को खत्म करने के लिए बनाया गया था। इस कानून के जरिये सरकार को

(i) राजनीतिक गतिविधियों को कुचलने तथा

(ii) राजनीतिक कैदियों को बिना मुकदमा चलाये 2 साल तक जेल में बंद रखने का अधिकार मिल गया था।

इस प्रकार से ब्रिटिश सरकार भारत के राष्ट्रीय आंदोलनों को कुचलना चाहती थी।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटिश सरकार की सैनिक एवं आर्थिक सहायता करने के पश्चात् भी इस प्रकार का काला कानून बनाया गया था।
- अतः भारत में लोग रॉलट-एक्ट के विरोध में उतर आये।

रॉलेट सत्याग्रह